SEE MORE JESUS · WANTTOSEEMORE.COM

यीशु कौन है? — भाग 2 · स्ट्रॉन्ग की संख्याओं के साथ केजेवी पवित्रशास्त्र

येशु कौन है · भाग 2 — सिंहासन पर याजक, प्रतिज्ञा किया गया वंश, और पिता, पुत्र, और पवित्र आत्मा

यीशु कौन है — उत्पत्ति से प्रकाशितवाक्य तक बाइबल के माध्यम से एक यात्रा

उद्घाटन शब्द

पहले अध्ययन ने एक प्रश्न पूछा था। प्रश्न यह था, यीशु कौन है? पहले अध्ययन ने इस उत्तर के लिए पूरी बाइबल में से होकर चला, बाइबल की पहली पुस्तक से लेकर अंतिम पुस्तक तक। वह अध्ययन एक ईमानदार टिप्पणी के साथ समाप्त हुआ। उस टिप्पणी ने उन मार्गों के नाम बताए जिन्हें उस अध्ययन ने देखा परंतु जिन पर वह नहीं चला। यह दूसरा अध्ययन उन मार्गों में से तीन पर चलता है। पहला मार्ग एक प्राचीन राजा है जो एक याजक भी था। दूसरा मार्ग एक बीज के बारे में एक प्रतिज्ञा है। परमेश्वर ने वह प्रतिज्ञा एक बगीचे में बोई। उसने वह प्रतिज्ञा एक परिवार से पीढ़ी दर पीढ़ी दोहराई। उसने वह प्रतिज्ञा एक राजा से शपथपूर्वक की। तीसरा मार्ग वह ढंग है जिससे बाइबल पिता, पुत्र, और पवित्र आत्मा के नाम साथ-साथ लेती है, जबकि बाइबल यह भी बार-बार कहती रहती है कि परमेश्वर एक है। प्रत्येक मार्ग का हर कदम पूरी तरह छपे हुए एक बाइबल पद पर टिका है। कुछ भी किसी व्यक्ति के अकेले शब्द पर निर्भर नहीं है। हर पद को धीरे-धीरे पढ़ें। हर पद को स्वयं तौलें।

इस अध्ययन में उत्तर दिए गए तीन प्रश्न:

1. मलिकिसिदक कौन था, और बाइबल यीशु को मलिकिसिदक की रीति पर सर्वदा का याजक क्यों कहती है?
2. वंश की प्रतिज्ञा वाटिका से आरम्भ होकर, अब्राहम से होते हुए, दाऊद से होते हुए, कैसे आगे बढ़ती है, यहाँ तक कि नया नियम उस वंश को एक ही व्यक्ति के रूप में नाम देता है?
3. बाइबल में कहाँ पिता, पुत्र और पवित्र आत्मा का एक साथ नाम लिया गया है, जबकि बाइबल फिर भी कहती है कि परमेश्वर एक है?

पहले से रखी गई नींव — यीशु कौन हैं

आधार → एक बालक जनमेगा + एक पुत्र दिया जाएगा → उसका नाम पराक्रमी परमेश्वर कहलाएगा (यशायाह 9:6)।

आधार → उसने यहोवा का नाम रखा, जिसने उससे बातें की थीं, तू परमेश्वर है (उत्पत्ति 16:13)।

नींव → वचन परमेश्वर था + वचन देहधारी हुआ (यूहन्ना 1:1, यूहन्ना 1:14)।

नींव → प्रभु ने मेरे प्रभु से कहा, तू मेरी दाहिनी ओर बैठ (भजन संहिता 110:1)।

आधार → तू मलिकिसिदक की रीति पर सदा के लिये याजक है (भजन संहिता 110:4)।

खुलने वाला लंगर

जकर्याह 6:12 और उससे यह कह, 'सेनाओं का यहोवा यह कहता है, उस पुरुष को देख जिसका नाम शाख है, वह अपने ही स्थान में उगकर यहोवा के मन्दिर को बनाएगा। (यशा. 4:2) **[H6780 tsemach ⚑]** (13) वही यहोवा के मन्दिर को बनाएगा, और महिमा पाएगा, और अपने सिंहासन पर विराजमान होकर प्रभुता करेगा । और उसके सिंहासन के पास एक याजक भी रहेगा, और दोनों के बीच मेल की सम्मति होगी।' (यशा. 11:10)

देखो उस मनुष्य को जिसका नाम शाखा है → वह अपने सिंहासन पर याजक होगा।

(मेरे व्यक्तिगत विचार: प्राचीन इस्राएल में, व्यवस्था राजा के पद और याजक के पद को अलग रखती थी। जकर्याह 6:13 एक ही व्यक्ति को दोनों पदों पर एक साथ रखता है। यह अध्ययन उस व्यक्ति का सारे बाइबल में अनुसरण करता है।)

ए. शालेम का राजा — परमप्रधान परमेश्वर का याजक, व्यवस्था दिए जाने से पहले

उत्पत्ति 14:18 तब शालेम का राजा मलिकिसिदक, जो परमप्रधान परमेश्वर का याजक था, रोटी और दाखमधु ले आया। **[H8004 Shalem ⚑]** **[H4442 Malkiy-Tsedeq ⚑]** (19) और उसने अब्राम को यह आशीर्वाद दिया, "परमप्रधान परमेश्वर की ओर से, जो आकाश और पृथ्वी का अधिकारी है, तू धन्य हो। (20) और धन्य है परमप्रधान परमेश्वर, जिसने तेरे द्रोहियों को तेरे वश में कर दिया है।" तब अब्राम ने उसको सब का दशमांश दिया।

शालेम का राजा मेल्कीसेदेक + परमप्रधान परमेश्वर का याजक → उसने उसे आशीष दी + उसने उसे सब वस्तुओं का दशमांश दिया।

(मेरे व्यक्तिगत विचार: मलिकिसिदक उत्पत्ति की पुस्तक में बिना किसी परिचय के, बिना पिता के, बिना माता के, और बिना किसी वंशावली के खड़ा है, मूसा की व्यवस्था के अस्तित्व में आने से पहले एक ही व्यक्ति में राजा और याजक। अब्राम परमेश्वर की प्रतिज्ञा को धारण किए हुए था, फिर भी उसने इस पुरुष से आशीष प्राप्त की। बाइबल में, बड़ा व्यक्ति छोटे व्यक्ति को आशीष देता है (इब्रानियों 7:7)।)

भजन संहिता 76:2 और उसका मण्डप शालेम में, और उसका धाम सिय्योन में है।

और उसका मण्डप शालेम में + और उसका धाम सिय्योन में है.

(मेरे व्यक्तिगत विचार: भजन संहिता 76:2 शालेम के नाम को सिय्योन के नाम के साथ रखता है, जो यरूशलेम है। मलिकिसिदक उसी नगर का राजा था जहाँ दाऊद बाद में राज्य करेगा। सैनिक बाद में उसी नगर की दीवार के बाहर यीशु को क्रूस पर चढ़ाएँगे।)

भजन संहिता 110:4 यहोवा ने शपथ खाई और न पछताएगा, "तू मलिकिसिदक की रीति पर सर्वदा का याजक है ।" (इब्रा. 7:21, इब्रा. 7:17)

यहोवा ने शपथ खाई और न पछताएगा → तू मलिकिसिदक की रीति पर सर्वदा का याजक है ।" (इब्रा. 7:21, इब्रा. 7:17.

(मेरे व्यक्तिगत विचार: मलिकिसिदक उत्पत्ति की पुस्तक में एक बार प्रकट होता है, दाऊद द्वारा एक याजक के सदा के लिए होने की यह एक पंक्ति लिखे जाने से लगभग एक हजार वर्ष पहले। "शपथ" के पीछे का इब्रानी शब्द शावा है (H7650, शपथ खाना)। परमेश्वर ने इन शब्दों के साथ यह शपथ खाई "और वह न पछताएगा," इसलिए यह शपथ वापस नहीं ली जा सकती (भजन संहिता 110:4)।)

बी. इब्रानियों की पुस्तक नाम खोलती है — धार्मिकता का राजा, शांति का राजा

इब्रानियों 7:1 यह मलिकिसिदक शालेम का राजा, और परमप्रधान परमेश्वर का याजक, जब अब्राहम राजाओं को मारकर लौटा जाता था, तो इसी ने उससे भेंट करके उसे आशीष दी (2) इसी को अब्राहम ने सब वस्तुओं का दसवाँ अंश भी दिया। यह पहले अपने नाम के अर्थ के अनुसार, धार्मिकता का राजा और फिर शालेम अर्थात् शान्ति का राजा है।

शालेम का राजा + परमप्रधान परमेश्वर का याजक → धार्मिकता का राजा + शान्ति का राजा।

(मेरे व्यक्तिगत विचार: इब्रानियों की पुस्तक पाठक के लिए दोनों नामों का अनुवाद करती है। मल्कीसेदेक नाम का अर्थ है धार्मिकता का राजा (परमेश्वर के साथ सही होना)। शालेम का राजा नामक उपाधि का अर्थ है शांति का राजा।)

इब्रानियों 7:4 अब इस पर ध्यान करो कि यह कैसा महान था जिसको कुलपति अब्राहम ने अच्छे से अच्छे माल की लूट का दसवाँ अंश दिया।

विचार करो कि यह मनुष्य कितना महान था → पितामह अब्राहम ने भी लूट का दसवां भाग दिया।

इब्रानियों 7:11 तब यदि लेवीय याजकपद के द्वारा सिद्धि हो सकती है (जिसके सहारे से लोगों को व्यवस्था मिली थी) तो फिर क्या आवश्यकता थी, कि दूसरा याजक मलिकिसिदक की रीति पर खड़ा हो, और हारून की रीति का न कहलाए? (12) क्योंकि जब याजक का पद बदला जाता है तो व्यवस्था का भी बदलना अवश्य है।

एक और याजक मलिकिसिदक की रीति पर उठे → याजकपद बदले जाने के साथ + व्यवस्था का भी परिवर्तन।

(मेरे व्यक्तिगत विचार: हारून का याजकपद मूसा की व्यवस्था के साथ आया। भजन संहिता 110:4 ने एक भिन्न याजक की प्रतिज्ञा दी, इसलिए इब्रानियों की पुस्तक यह सीधा निष्कर्ष निकालती है कि नया याजकपद अपने साथ नई व्यवस्था लाता है। मलिकिसिदक की रीति मूसा की व्यवस्था से पहले और उसके बाद दोनों समय खड़ी रहती है।)

इब्रानियों 7:20 और इसलिए मसीह की नियुक्ति बिना शपथ नहीं हुई। **[G1242 diatheke ⚑]** **[G1450 egguos ⚑]** (21) क्योंकि वे तो बिना शपथ याजक ठहराए गए पर यह शपथ के साथ उसकी ओर से नियुक्त किया गया जिसने उसके विषय में कहा, "प्रभु ने शपथ खाई, और वह उससे फिर न पछताएगा, कि तू युगानुयुग याजक है।" (22) इस कारण यीशु एक उत्तम वाचा का जामिन ठहरा।

वे याजक बिना शपथ के बनाए गए थे + यह शपथ के साथ → यीशु एक उत्तम वाचा का जामिन बना।

(मेरे व्यक्तिगत विचार: हारून के परिवार के याजकों को यह पद जन्म से मिला था, उनके पीछे परमेश्वर की कोई शपथ नहीं थी। यहाँ इब्रानियों की पुस्तक अंततः उस एक याजक का नाम लेती है जो शपथ के साथ ठहराया गया, यीशु। जमानतदार वह व्यक्ति होता है जो सम्पूर्ण करार के लिए स्वयं को उत्तरदायी बनाता है, इसलिए यीशु स्वयं इस बात की गारंटी है कि यह वाचा स्थिर रहेगी।)

इब्रानियों 7:26 क्योंकि ऐसा ही महायाजक हमारे योग्य था, जो पवित्र, और निष्कपट और निर्मल, और पापियों से अलग, और स्वर्ग से भी ऊँचा किया हुआ हो। (27) और उन महायाजकों के समान उसे आवश्यक नहीं कि प्रतिदिन पहले अपने पापों और फिर लोगों के पापों के लिये बलिदान चढ़ाए; क्योंकि उसने अपने आपको बलिदान चढ़ाकर उसे एक ही बार निपटा दिया। (लैव्य. 16:6, इब्रा. 10:10-14)

पवित्र + निर्दोष + निष्कलंक + पापियों से अलग → उसने स्वयं को एक बार अर्पित किया।

(मेरे व्यक्तिगत विचार: इस्राएल में हर महायाजक पहले अपने ही पापों के लिए बलि चढ़ाता था। इस याजक के अपने कोई पाप नहीं थे। उसने अपने आप को चढ़ाया, एक ही बलि, एक ही बार, याजक और बलि एक ही व्यक्ति में।)

अलग दृष्टिकोण, वही दृश्य — शालेम में रोटी और दाखमधु, और यरूशलेम में रोटी और कटोरा

उत्पत्ति 14:18 तब शालेम का राजा मलिकिसिदक, जो परमप्रधान परमेश्वर का याजक था, रोटी और दाखमधु ले आया।

मलिकिसिदक रोटी और दाखमधु ले आया + वह परमप्रधान परमेश्वर का याजक था।

मत्ती 26:26 जब वे खा रहे थे, तो यीशु ने रोटी ली, और आशीष माँगकर तोड़ी, और चेलों को देकर कहा, “लो, खाओ; यह मेरी देह है।” (27) फिर उसने कटोरा लेकर धन्यवाद किया, और उन्हें देकर कहा, “तुम सब इसमें से पीओ (28) क्योंकि यह वाचा का मेरा वह लहू है, जो बहुतों के लिये पापों की क्षमा के लिए बहाया जाता है।

यीशु ने रोटी ली + उसने कटोरा लिया → यह नए नियम में मेरा लोहू है।

> *[एक साथ जोड़े गए वचन — कोई भी एक वचन अकेले यह नहीं कहता]*

(मेरे व्यक्तिगत विचार: कोई भी पद यह नहीं बताता कि शालेम में हुआ भोजन प्रभु के भोज की ओर संकेत करता था। इसीलिए ऊपर वह चिह्न लगा है। पाठक दोनों दृश्यों को साथ रखकर तुलना करे।)

सी. स्त्री का वंश — बगीचे में बोई गई प्रतिज्ञा

उत्पत्ति 3:15 और मैं तेरे और इस स्त्री के बीच में, और तेरे वंश और इसके वंश के बीच में बैर उत्पन्न करूँगा, वह तेरे सिर को कुचल डालेगा, और तू उसकी एड़ी को डसेगा।” **[H2233 zera ⚑]**

तेरे वंश और उसके वंश के बीच → वह तेरे सिर को कुचल डालेगा, और तू उसकी कली को कुचलेगा।

(मेरे व्यक्तिगत विचार: इब्रानी शब्द ज़ेरा (H2233, वंश) का अर्थ है संतान, या किसी पुरुष के बाद आने वाली संतानें। परमेश्वर ने यह प्रतिज्ञा बगीचे में की थी, उस दिन जब पाप संसार में प्रवेश किया। नीचे दी गई आयतों में देखिए कि यह एक प्रतिज्ञात वंश एक पुरुष से दूसरे पुरुष तक कैसे बढ़ता जाता है।)

उत्पत्ति 26:3 तू इसी देश में रह, और मैं तेरे संग रहूँगा, और तुझे आशीष दूँगा; और ये सब देश मैं तुझको, और तेरे वंश को दूँगा; और जो शपथ मैंने तेरे पिता अब्राहम से खाई थी, उसे मैं पूरी करूँगा। (4) और मैं तेरे वंश को आकाश के तारागण के समान करूँगा; और मैं तेरे वंश को ये सब देश दूँगा, और पृथ्वी की सारी जातियाँ तेरे वंश के कारण अपने को धन्य मानेंगी। (उत्प. 15:5)

मैं उस शपथ को पूरा करूंगा जो मैंने तेरे पिता इब्राहीम से खाई थी → तेरे वंश में पृथ्वी की सारी जातियां आशीष पाएंगी।

(मेरे व्यक्तिगत विचार: यहाँ परमेश्वर इसहाक से वही शपथ दोहराता है जो परमेश्वर ने पहाड़ पर अब्राहम से खाई थी। यह प्रतिज्ञा अब्राहम के साथ नहीं मर गई। यह एक पीढ़ी आगे बढ़ गई।)

उत्पत्ति 28:13 और यहोवा उसके ऊपर खड़ा होकर कहता है, “मैं यहोवा, तेरे दादा अब्राहम का परमेश्वर, और इसहाक का भी परमेश्वर हूँ; जिस भूमि पर तू लेटा है, उसे मैं तुझको और तेरे वंश को दूँगा। (14) और तेरा वंश भूमि की धूल के किनकों के समान बहुत होगा, और पश्चिम, पूरब, उत्तर, दक्षिण, चारों ओर फैलता जाएगा: और तेरे और तेरे वंश के द्वारा पृथ्वी के सारे कुल आशीष पाएँगे।

मैं तेरे पिता अब्राहम का परमेश्वर यहोवा, और इसहाक का परमेश्वर हूँ → तेरे वंश में पृथ्वी के सारे कुल आशीष पाएंगे।

(मेरे व्यक्तिगत विचार: अब प्रतिज्ञा फिर से नीचे याकूब तक आती है। परमेश्वर ने अब एक ही परिवार की वंशावली में तीन पीढ़ियों में तीन पुरुषों से एक ही प्रतिज्ञा कही है। प्रतिज्ञा उसी वंश पर टिकी रहती है।)

उत्पत्ति 49:10 जब तक शीलो न आए तब तक न तो यहूदा से राजदण्ड छूटेगा, न उसके वंश से व्यवस्था देनेवाला अलग होगा; और राज्य-राज्य के लोग उसके अधीन हो जाएँगे। (यूह. 11:52)

जब तक शीलो न आए तब तक न तो यहूदा से राजदण्ड छूटेगा → और राज्य-राज्य के लोग उसके अधीन हो जाएँगे। (यूह. 11:52.

(मेरे व्यक्तिगत विचार: राजदंड एक छड़ी है जिसे राजा अपने शासन करने के अधिकार के चिन्ह के रूप में धारण करता है। अब यह प्रतिज्ञा याकूब के पूरे परिवार से सिमटकर एक गोत्र, यहूदा के गोत्र तक आ जाती है। इस गोत्र को याद रखें, क्योंकि यहूदा का नाम इस अध्ययन के अंत के निकट फिर से आता है।)

डी. दाऊद से प्रतिज्ञा किया गया वंश — सदा के लिए सिंहासन, शपथ से वचन दिया गया

2 शमूएल 7:12 जब तेरी आयु पूरी हो जाएगी, और तू अपने पुरखाओं के संग जा मिलेगा, तब मैं तेरे निज वंश को तेरे पीछे खड़ा करके उसके राज्य को स्थिर करूँगा। (13) मेरे नाम का घर वही बनवाएगा, और मैं उसकी राजगद्दी को सदैव स्थिर रखूँगा। (1 राजा. 5:5)

मैं तेरे बाद तेरे वंश को स्थिर करूंगा → मैं उसके राज्य के सिंहासन को सदा के लिये स्थिर रखूंगा।

(मेरे व्यक्तिगत विचार: सुलैमान, जो दाऊद का पुत्र था, उसने मंदिर बनाया। परंतु सुलैमान का सिंहासन सदा के लिए स्थिर नहीं रहा, क्योंकि उसकी मृत्यु के बाद राज्य दो भागों में बँट गया। इसलिए सदा के सिंहासन की प्रतिज्ञा सुलैमान से आगे, दाऊद के एक महान पुत्र तक पहुँचती है।)

भजन संहिता 132:11 यहोवा ने दाऊद से सच्ची शपथ खाई है और वह उससे न मुकरेगा: “मैं तेरी गद्दी पर तेरे एक निज पुत्र को बैठाऊँगा। (2 शमू. 7:12, प्रेरि. 2:30)

यहोवा ने दाऊद से सच्ची शपथ खाई है और वह उससे न मुकरेगा → मैं तेरी गद्दी पर तेरे एक निज पुत्र को बैठाऊँगा। (2 शमू. 7:12, प्रेरि. 2:30.

(मेरे व्यक्तिगत विचार: दाऊद से की गई प्रतिज्ञा अब एक शपथ बन गई है, वैसे ही जैसे अब्राहम से की गई प्रतिज्ञा एक शपथ बन गई थी। परमेश्वर ने अपने आपको इन शब्दों से बाँध लिया "वह उससे न फिरेगा" (भजन संहिता 132:11)। आनेवाला राजा दाऊद के शरीर से आएगा, किसी अन्य जाति से नहीं।)

भिन्न दृष्टिकोण, वही दृश्य — भजन संहिता की पुस्तक में दो शपथें, और एक पुरुष

भजन संहिता 132:11 यहोवा ने दाऊद से सच्ची शपथ खाई है और वह उससे न मुकरेगा: “मैं तेरी गद्दी पर तेरे एक निज पुत्र को बैठाऊँगा। (2 शमू. 7:12, प्रेरि. 2:30)

यहोवा ने दाऊद से सच्ची शपथ खाई है और वह उससे न मुकरेगा → मैं तेरी गद्दी पर तेरे एक निज पुत्र को बैठाऊँगा। (2 शमू. 7:12, प्रेरि. 2:30.

भजन संहिता 110:4 यहोवा ने शपथ खाई और न पछताएगा, “तू मलिकिसिदक की रीति पर सर्वदा का याजक है ।” (इब्रा. 7:21, इब्रा. 7:17)

यहोवा ने शपथ खाई है, और वह न पछताएगा → तू सदा के लिए याजक है।

> *[एक साथ जोड़े गए वचन — कोई भी एक वचन अकेले यह नहीं कहता]*

(मेरे व्यक्तिगत विचार: दो भजनों में परमेश्वर की दो शपथों का वर्णन है, एक शपथ दाऊद के वंश से एक राजा के लिए, और एक शपथ सदा के लिए एक याजक के लिए। भजन संहिता की पुस्तक में कोई भी एकल पद यह नहीं कहता कि दोनों शपथें एक ही व्यक्ति पर आकर टिकती हैं, इसलिए यह चिह्न ऊपर बना रहता है। नया नियम यीशु को शपथ खाए हुए याजक के रूप में, और दाऊद के वंश से प्रतिज्ञा किए गए राजा के रूप में नाम देता है (इब्रानियों 7:21-22, प्रेरितों के काम 13:23)।)

यिर्मयाह 23:5 “यहोवा की यह भी वाणी है, देख ऐसे दिन आते हैं जब मैं दाऊद के कुल में एक धर्मी अंकुर उगाऊँगा, और वह राजा बनकर बुद्धि से राज्य करेगा, और अपने देश में न्याय और धार्मिकता से प्रभुता करेगा। **[H6780 tsemach ⚑]** (6) उसके दिनों में यहूदी लोग बचे रहेंगे, और इस्राएली लोग निडर बसे रहेंगे और यहोवा उसका नाम ‘यहोवा हमारी धार्मिकता’ रखेगा। (यूह. 7:42, 1 कुरि. 1:30)

मैं दाऊद के लिए एक धर्मी शाखा उत्पन्न करूंगा → यही उसका नाम होगा जिससे वह पुकारा जाएगा, यहोवा हमारी धार्मिकता।

(मेरे व्यक्तिगत विचार: शाखा के लिए हिब्रू शब्द है त्सेमाख (H6780, एक शाखा, एक अंकुर), वही शब्द जो जकर्याह ने उस मनुष्य के लिए इस्तेमाल किया जो अपने सिंहासन पर याजक है। बड़े अक्षरों में छपा शब्द यहोवा परमेश्वर का वाचा-नाम है। इसलिए दाऊद के वंश में जन्मा एक मनुष्य स्वयं परमेश्वर का नाम धारण करता है।)

E. नया नियम बीज का नाम लेता है — और बीज मसीह है

मत्ती 1:1 अब्राहम की सन्तान, दाऊद की सन्तान, यीशु मसीह की वंशावली ।

यीशु मसीह + दाऊद का पुत्र + अब्राहम का पुत्र।

(मेरे व्यक्तिगत विचार: नया नियम एक वंशावली से आरंभ होता है। पहली ही आयत यीशु को दाऊद का पुत्र और अब्राहम का पुत्र, दोनों प्रतिज्ञा-वंशों का, एक साथ नाम देती है। नए नियम का पहला वाक्य पुराने नियम की सबसे पुरानी आशा का उत्तर देता है।)

गलातियों 3:16 अतः प्रतिज्ञाएँ अब्राहम को, और उसके वंश को दी गईं; वह यह नहीं कहता, “वंशों को,” जैसे बहुतों के विषय में कहा, पर जैसे एक के विषय में कि “तेरे वंश को” और वह मसीह है। (मत्ती 1:1) **[G4690 sperma ⚑]**

अतः प्रतिज्ञाएँ अब्राहम को, और उसके वंश को दी गईं; वह यह नहीं कहता → पर जैसे एक के विषय में कि “तेरे वंश को” और वह मसीह है। (मत्ती 1:1.

(मेरे व्यक्तिगत विचार: पौलुस उत्पत्ति की पुस्तक को बड़ी सावधानी से पढ़ता है। वह अपनी पूरी बात एक शब्द के एकवचन होने पर टिकाता है, वंश, न कि वंशज। फिर वह उस व्यक्ति का नाम लेता है, मसीह।)

प्रेरितों के काम 13:22 फिर उसे अलग करके दाऊद को उनका राजा बनाया; जिसके विषय में उसने गवाही दी, ‘मुझे एक मनुष्य, यिशै का पुत्र दाऊद, मेरे मन के अनुसार मिल गया है। वही मेरी सारी इच्छा पूरी करेगा।’ (1 शमू. 13:14, 1 शमू. 16:12,13, भज. 89:20, यशा. 44:28) (23) उसी के वंश में से परमेश्वर ने अपनी प्रतिज्ञा के अनुसार इस्राएल के पास एक उद्धारकर्ता, अर्थात् यीशु को भेजा। (2 शमू. 7:12,13, यशा. 11:1)

28) उसी के वंश में से परमेश्वर ने अपनी प्रतिज्ञा के अनुसार इस्राएल के पास एक उद्धारकर्ता, अर्थात् यीशु को भेजा। (2 शमू. 7:12,13, यशा. 11:1.

(मेरे व्यक्तिगत विचार: पॉल ने यह एक आराधनालय में प्रचार किया, जो एक ऐसा घर था जहाँ यहूदी पवित्रशास्त्र सुनने के लिए इकट्ठे होते थे। एक ही वाक्य में वह इस अध्ययन की पूरी लड़ी को बताता है, कि परमेश्वर ने दाऊद के वंश से प्रतिज्ञा किए गए उद्धारकर्ता को उठाया। तब पॉल उद्धारकर्ता का नाम बताता है, यीशु।)

2 तीमुथियुस 2:8 यीशु मसीह को स्मरण रख, जो दाऊद के वंश से हुआ, और मरे हुओं में से जी उठा; और यह मेरे सुसमाचार के अनुसार है।

यीशु मसीह दाऊद के वंश से + मरे हुओं में से जी उठा।

(मेरे व्यक्तिगत विचार: पॉल पूरे सुसमाचार (शुभ समाचार) को तीमुथियुस के लिए एक पंक्ति में समेट देता है। पॉल ने केवल दो तथ्यों को चुना, कि यीशु मसीह दाऊद के वंश से है, और कि परमेश्वर ने यीशु मसीह को मरे हुओं में से जिलाया। प्रतिज्ञा की पंक्ति और खाली कब्र एक ही वाक्य में साथ खड़ी हैं।)

प्रकाशितवाक्य 22:16 “मुझ यीशु ने अपने स्वर्गदूत को इसलिए भेजा, कि तुम्हारे आगे कलीसियाओं के विषय में इन बातों की गवाही दे। मैं दाऊद का मूल और वंश, और भोर का चमकता हुआ तारा हूँ।” (यशा. 11:1)

मैं दाऊद की जड़ और वंश हूं + चमकता हुआ भोर का तारा।

(मेरे व्यक्तिगत विचार: यीशु अपने बारे में ये शब्द कहते हैं, जो लगभग पूरी बाइबल के अंतिम शब्द हैं। दाऊद की संतान दाऊद के वंश में जन्मा पुत्र है, और दाऊद की जड़ वह है जिससे यह वंश स्वयं उत्पन्न हुआ। यीशु दोनों हैं—संतान भी और जड़ भी।)

एफ. पिता, पुत्र, और पवित्र आत्मा — साथ-साथ नामित, और फिर भी एक ही प्रभु

व्यवस्थाविवरण 6:4 “हे इस्राएल, सुन, यहोवा हमारा परमेश्वर है, यहोवा एक ही है; (मर. 12:29-33) **[H259 echad ⚑]**

हे इस्राएल, सुन, यहोवा हमारा परमेश्वर है, यहोवा एक ही है; (मर. 12:29-33.

(मेरे व्यक्तिगत विचार: यह वचन अब भी नीचे लिखी हर बात पर शासन करता है। इस पृष्ठ पर कुछ भी दूसरा परमेश्वर या तीसरा परमेश्वर नहीं जोड़ता। नीचे के हर वचन को व्यवस्थाविवरण 6:4 के साथ रखकर देखें।)

मत्ती 3:16 और यीशु बपतिस्मा लेकर तुरन्त पानी में से ऊपर आया, और उसके लिये आकाश खुल गया; और उसने परमेश्वर की आत्मा को कबूतर के समान उतरते और अपने ऊपर आते देखा। **[G4151 pneuma ⚑]** (17) और यह आकाशवाणी हुई, “यह मेरा प्रिय पुत्र है, जिससे मैं अत्यन्त प्रसन्न हूँ।” (भज. 2:7)

परमेश्वर की आत्मा का कबूतर के समान उतरना + स्वर्ग से एक शब्द होना → यह मेरा प्रिय पुत्र है।

(मेरे व्यक्तिगत विचार: गिनिए कि इस दृश्य में क्या होता है। पुत्र नदी में खड़ा है, परमेश्वर का आत्मा कबूतर के समान उतरता है, और पिता का वचन स्वर्ग से बोलता है। पिता पुत्र के विषय में वे वचन कहता है, पुत्र स्वयं के विषय में नहीं।)

अलग दृष्टिकोण, वही दृश्य — वही नदी, उस मनुष्य के द्वारा बताई गई जो वहाँ खड़ा था

यूहन्ना 1:32 और यूहन्ना ने यह गवाही दी, “मैंने आत्मा को कबूतर के रूप में आकाश से उतरते देखा है, और वह उस पर ठहर गया। (33) और मैं तो उसे पहचानता नहीं था, परन्तु जिसने मुझे जल से बपतिस्मा देने को भेजा, उसी ने मुझसे कहा, ‘जिस पर तू आत्मा को उतरते और ठहरते देखे; वही पवित्र आत्मा से बपतिस्मा देनेवाला है।’ (34) और मैंने देखा, और गवाही दी है कि यही परमेश्वर का पुत्र है।” (भज. 2:7)

मैंने आत्मा को कबूतर के समान स्वर्ग से उतरते देखा → यह परमेश्वर का पुत्र है।

(मेरे व्यक्तिगत विचार: यूहन्ना बपतिस्मा देनेवाला उसी नदी के दृश्य को एक गवाह के रूप में बताता है जो वहाँ खड़ा था। परमेश्वर ने यूहन्ना बपतिस्मा देनेवाले को पहले ही बता दिया था कि आत्मा का उतरना और टिक जाना ही ठहराया गया चिन्ह था। इस प्रकार पिता ने चिन्ह दिया, आत्मा चिन्ह था, और पुत्र ने चिन्ह को ग्रहण किया।)

मत्ती 28:18 यीशु ने उनके पास आकर कहा, “स्वर्ग और पृथ्वी का सारा अधिकार मुझे दिया गया है। (19) इसलिए तुम जाकर सब जातियों के लोगों को चेला बनाओ; और उन्हें पिता, और पुत्र, और पवित्र आत्मा के नाम से बपतिस्मा दो

मुझे सारा अधिकार दिया गया है → उन्हें पिता, और पुत्र, और पवित्र आत्मा के नाम में बपतिस्मा देना।

(मेरे व्यक्तिगत विचार: यीशु तीनों को एक ही आज्ञा में साथ-साथ नाम लेते हैं। वे पिता, पुत्र और पवित्र आत्मा का नाम लेते हैं। यह अध्ययन केवल वही कहता है जो पद कहता है।)

यूहन्ना 14:16 और मैं पिता से विनती करूँगा, और वह तुम्हें एक और सहायक देगा, कि वह सर्वदा तुम्हारे साथ रहे। **[G3875 parakletos ⚑]** (17) अर्थात् सत्य की आत्मा, जिसे संसार ग्रहण नहीं कर सकता, क्योंकि वह न उसे देखता है और न उसे जानता है: तुम उसे जानते हो, क्योंकि वह तुम्हारे साथ रहता है, और वह तुम में होगा।

मैं पिता से बिनती करूंगा + वह तुम्हें एक और शान्तिदाता देगा → अर्थात सत्य की आत्मा।

(मेरे व्यक्तिगत विचार: एक वाक्य में फिर से तीन हैं, क्योंकि यीशु प्रार्थना करते हैं, पिता देता है, और सहायक आता है। शब्द "एक और" पर ध्यान दें। यीशु स्वयं शिष्यों के पास खड़े सहायक थे, इसलिए "एक और सहायक" का अर्थ है यीशु के समान एक और सहायक।)

यूहन्ना 14:26 परन्तु सहायक अर्थात् पवित्र आत्मा जिसे पिता मेरे नाम से भेजेगा, वह तुम्हें सब बातें सिखाएगा, और जो कुछ मैंने तुम से कहा है, वह सब तुम्हें स्मरण कराएगा।”

सांत्वना देनेवाला, अर्थात् पवित्र आत्मा → जिसे पिता मेरे नाम से भेजेगा।

(मेरे व्यक्तिगत विचार: यह वचन इस बारे में कोई अनुमान लगाने की गुंजाइश नहीं छोड़ता कि सांत्वना देनेवाला कौन है। यह वचन साफ-साफ सांत्वना देनेवाले को पवित्र आत्मा कहता है। पिता यीशु के नाम में पवित्र आत्मा भेजता है, फिर से एक ही वचन में तीन नाम।)

2 कुरिन्थियों 13:14 प्रभु यीशु मसीह का अनुग्रह और परमेश्वर का प्रेम और पवित्र आत्मा की सहभागिता तुम सब के साथ होती रहे।

प्रभु यीशु मसीह का अनुग्रह + परमेश्वर का प्रेम + पवित्र आत्मा की संगति।

(मेरे व्यक्तिगत विचार: पौलुस एक पूरे पत्र को एक ही आशीर्वाद के साथ समाप्त करता है जो तीन नाम धारण करता है। अनुग्रह का अर्थ है परमेश्वर की वह कृपा जिसे कोई भी व्यक्ति अर्जित नहीं करता, और सहभागिता का अर्थ है मिलकर बाँटना। पौलुस, जो जीवन भर एक सख्त यहूदी था और एक परमेश्वर को मानता था, फिर भी उसने प्रभु यीशु मसीह, परमेश्वर, और पवित्र आत्मा को एक ही विदाई में साथ-साथ रखा।)

1 पतरस 1:1 पतरस की ओर से जो यीशु मसीह का प्रेरित है, उन परदेशियों के नाम, जो पुन्तुस, गलातिया, कप्पदूकिया, आसिया, और बितूनिया में तितर-बितर होकर रहते हैं। (2) और परमेश्वर पिता के भविष्य ज्ञान के अनुसार, पवित्र आत्मा के पवित्र करने के द्वारा आज्ञा मानने, और यीशु मसीह के लहू के छिड़के जाने के लिये चुने गए हैं । तुम्हें अत्यन्त अनुग्रह और शान्ति मिलती रहे।

परमेश्वर पिता का पूर्वज्ञान + आत्मा का पवित्रीकरण + यीशु मसीह का लहू।

(मेरे व्यक्तिगत विचार: पतरस अपनी पत्री उसी तरह आरम्भ करता है जैसे पौलुस ने अपनी पत्री समाप्त की थी। पूर्वज्ञान का अर्थ है किसी बात के होने से पहले उसे जान लेना, और पवित्रीकरण का अर्थ है परमेश्वर के लिए अलग किया जाना। दो अलग-अलग प्रेरित एक ही तीन-नाम के प्रारूप को लिखते हैं।)

इफिसियों 4:4 एक ही देह है, और एक ही आत्मा; जैसे तुम्हें जो बुलाए गए थे अपने बुलाए जाने से एक ही आशा है। (5) एक ही प्रभु है, एक ही विश्वास, एक ही बपतिस्मा (6) और सब का एक ही परमेश्वर और पिता है, जो सब के ऊपर और सब के मध्य में, और सब में है।

एक आत्मा + एक प्रभु + सबका एक परमेश्वर और पिता।

> *अब इन साक्षियों को एक साथ रखकर देखिए। मत्ती नदी में पुत्र को, नीचे उतरते हुए आत्मा को, और पिता के शब्द को दिखाता है। यीशु पिता के, और पुत्र के, और पवित्र आत्मा के नाम में बपतिस्मा देने की आज्ञा देता है। यीशु सहायक की, अर्थात् पवित्र आत्मा की, जिसे पिता भेजता है, प्रतिज्ञा करता है। पौलुस एक पत्र को प्रभु यीशु मसीह, परमेश्वर, और पवित्र आत्मा के साथ एक ही आशीष में समाप्त करता है। पतरस एक पत्र को पिता, आत्मा, और यीशु मसीह के साथ एक ही वाक्य में आरम्भ करता है। इन सब पदों के ऊपर एक ही आज्ञा खड़ी है। "हे इस्राएल सुन, यहोवा हमारा परमेश्वर एक ही यहोवा है" (व्यवस्थाविवरण 6:4)। बाइबल इसे कभी विरोधाभास नहीं कहती। यह इन सब पदों को एक ही पुस्तक में बताती है।*

> *[एक साथ जोड़े गए वचन — कोई भी एक वचन अकेले यह नहीं कहता]*

(मेरे व्यक्तिगत विचार: पद सीधे बताते हैं कि पिता, पुत्र और पवित्र आत्मा का नाम साथ-साथ लिया गया है, मत्ती द्वारा, यूहन्ना द्वारा, पौलुस द्वारा, और पतरस द्वारा। कोई भी एक पद यह एक वाक्य में नहीं बताता कि ये तीन नाम और व्यवस्थाविवरण 6:4 का एक यहोवा किस प्रकार साथ मिलते हैं। जहाँ बाइबल समझाना बंद करती है, वहाँ यह अध्ययन भी समझाना बंद कर देता है।)

दो के मुख

जकर्याह 6:13 वही यहोवा के मन्दिर को बनाएगा, और महिमा पाएगा, और अपने सिंहासन पर विराजमान होकर प्रभुता करेगा । और उसके सिंहासन के पास एक याजक भी रहेगा, और दोनों के बीच मेल की सम्मति होगी।' (यशा. 11:10)

वह अपने सिंहासन पर याजक होगा।

इब्रानियों 8:1 अब जो बातें हम कह रहे हैं, उनमें से सबसे बड़ी बात यह है, कि हमारा ऐसा महायाजक है, जो स्वर्ग पर महामहिमन् के सिंहासन के दाहिने जा बैठा । (भज. 110:1, इब्रा. 10:12)

हमारा ऐसा ही महायाजक है → जो स्वर्ग पर महाराज के सिंहासन के दाहिने जा बैठा है।

प्रकाशितवाक्य 3:21 जो जय पाए, मैं उसे अपने साथ अपने सिंहासन पर बैठाऊँगा, जैसा मैं भी जय पाकर अपने पिता के साथ उसके सिंहासन पर बैठ गया।

मैं भी जय गया + अपने पिता के सिंहासन पर उसके साथ बैठा हूं।

2 कुरिन्थियों 13:1 अब तीसरी बार तुम्हारे पास आता हूँ: दो या तीन गवाहों के मुँह से हर एक बात ठहराई जाएगी। (व्यव. 19:15)

दो या तीन गवाहों के मुँह से हर एक बात ठहराई जाएगी। (व्यव. 19:15.

(मेरे व्यक्तिगत विचार: तीन गवाह कहते हैं कि याजक सिंहासन पर है। एक भविष्यद्वक्ता बोलता है, इब्रानियों की पुस्तक का लेखक बोलता है, और जी उठा हुआ प्रभु बोलता है। यह वचन स्थिर किया गया है।)

छाया और पूर्णता

> *जमीन पर पड़ी एक छाया के बारे में सोचें। आप छाया का आकार देख सकते हैं। केवल आकार आपको यह नहीं बताएगा कि छाया किस चीज़ की है। लगभग समान आकार की दो अलग-अलग चीज़ें लगभग एक जैसी छाया डाल सकती हैं। जब तक सच्चा प्रकाश आपको वस्तु स्वयं नहीं दिखाता, तब तक छाया एक रहस्य बनी रहती है। फिर आप छाया की ओर वापस देखते हैं। फिर आप देखते हैं कि छाया आरंभ से ही उस वस्तु का आकार धारण किए हुए थी। पुराने नियम के चित्र यही हैं। पुराने नियम के चित्र सच्ची छायाएँ हैं, जो वास्तव में एक सच्ची देह द्वारा आकार दी गई हैं। बाइबल इन बातों को कहती है, "आनेवाली बातों की छाया हैं; परन्तु शरीर मसीह का है" (कुलुस्सियों 2:17)। यह भी कहती है कि छाया वस्तु का "असली रूप" नहीं है (इब्रानियों 10:1)। कोई भी अकेले छाया से पूरा सत्य नहीं पढ़ सकता था। जब मसीह आया, तो प्रकाश ने देह को दिखाया। इसीलिए*

> *हम कभी भी केवल छाया पर कोई शिक्षा नहीं बनाते। हम किसी चीज़ को छाया केवल तब कहते हैं जब नये नियम के प्रकाश ने हमें उस देह को दिखाया हो जिससे वह छाया संबंधित है।*

कुलुस्सियों 2:16 इसलिए खाने-पीने या पर्व या नये चाँद, या सब्त के विषय में तुम्हारा कोई फैसला न करे। (17) क्योंकि ये सब आनेवाली बातों की छाया हैं, पर मूल वस्तुएँ मसीह की हैं।

आने वाली बातों की छाया → देह मसीह की है।

इब्रानियों 10:1 क्योंकि व्यवस्था जिसमें आनेवाली अच्छी वस्तुओं का प्रतिबिम्ब है, पर उनका असली स्वरूप नहीं, इसलिए उन एक ही प्रकार के बलिदानों के द्वारा, जो प्रतिवर्ष अचूक चढ़ाए जाते हैं, पास आनेवालों को कदापि सिद्ध नहीं कर सकती।

आनेवाली अच्छी वस्तुओं की छाया रखनेवाली व्यवस्था + उन वस्तुओं का असली रूप नहीं।

Shadow उत्पत्ति 14:18 तब शालेम का राजा मलिकिसिदक, जो परमप्रधान परमेश्वर का याजक था, रोटी और दाखमधु ले आया।

मलिकिसिदक शालेम का राजा + परमप्रधान परमेश्वर का याजक।

Fulfillment इब्रानियों 7:14 तो प्रगट है, कि हमारा प्रभु यहूदा के गोत्र में से उदय हुआ है और इस गोत्र के विषय में मूसा ने याजकपद की कुछ चर्चा नहीं की। (उत्प. 49:10, यशा. 11:1) (15) हमारा दावा और भी स्पष्टता से प्रकट हो जाता है, जब मलिकिसिदक के समान एक और ऐसा याजक उत्पन्न होनेवाला था। (16) जो शारीरिक आज्ञा की व्यवस्था के अनुसार नहीं, पर अविनाशी जीवन की सामर्थ्य के अनुसार नियुक्त हो। (17) क्योंकि उसके विषय में यह गवाही दी गई है, "तू मलिकिसिदक की रीति पर युगानुयुग याजक है।"

हमारा प्रभु यहूदा में से उत्पन्न हुआ → मलकिसिदक की समानता के अनुसार एक और याजक उठता है + एक अनन्त जीवन की सामर्थ्य के अनुसार।

(मेरे व्यक्तिगत विचार: नए नियम का प्रकाश स्वयं यह संबंध बनाता है, क्योंकि इब्रानियों की पुस्तक भजन संहिता 110:4 को यीशु पर लागू करती है। इब्रानियों 7:14 भी यहूदा के गोत्र का नाम लेता है, वही गोत्र जो उत्पत्ति 49:10 में राजदंड धारण करता है। शालेम में की छाया एक ही मनुष्य में राजा और याजक थी, और वह शरीर यीशु है, जो राजा और याजक है।)

समापन

इब्रानियों 4:14 इसलिए, जब हमारा ऐसा बड़ा महायाजक है, जो स्वर्गों से होकर गया है, अर्थात् परमेश्वर का पुत्र यीशु; तो आओ, हम अपने अंगीकार को दृढ़ता से थामे रहें। (15) क्योंकि हमारा ऐसा महायाजक नहीं, जो हमारी निर्बलताओं में हमारे साथ दुःखी न हो सके; वरन् वह सब बातों में हमारे समान परखा तो गया, तो भी निष्पाप निकला। (16) इसलिए आओ, हम अनुग्रह के सिंहासन के निकट साहस बाँधकर चलें, कि हम पर दया हो, और वह अनुग्रह पाएँ, जो आवश्यकता के समय हमारी सहायता करे।

हमारे पास एक महान महायाजक है + परमेश्वर का पुत्र यीशु → अनुग्रह के सिंहासन के निकट साहस के साथ आएं।

गलातियों 3:28 अब न कोई यहूदी रहा और न यूनानी; न कोई दास, न स्वतंत्र; न कोई नर, न नारी; क्योंकि तुम सब मसीह यीशु में एक हो। (29) और यदि तुम मसीह के हो, तो अब्राहम के वंश और प्रतिज्ञा के अनुसार वारिस भी हो।

तुम सब मसीह यीशु में एक ही हो → और यदि तुम मसीह के हो, तो इब्राहीम के वंश और प्रतिज्ञा के अनुसार वारिस भी हो।

(मेरे व्यक्तिगत विचार: याजक की कड़ी अनुग्रह के सिंहासन पर समाप्त होती है, जहाँ बाइबल तुझे साहसपूर्वक आने के लिए कहती है। बीज की कड़ी तेरे ही द्वार पर समाप्त होती है, क्योंकि यदि तू मसीह का है, तो परमेश्वर तुझे अब्राहम का बीज गिनता है, उसी प्रतिज्ञा का वारिस (गलातियों 3:29)। यीशु, जो राजा और याजक है, अब भी बुला रहा है।)

अभ्यास प्रश्नोत्तरी

1. उत्पत्ति 14:18 — और शालेम के राजा मलिकिसिदक ने रोटी और दाखमधु निकाला: और वह था:

a) आकाश और पृथ्वी का स्वामी
b) परमप्रधान परमेश्वर का याजक
c) धार्मिकता का राजा

2. मत्ती 3:17 — और देखो, आकाश से एक शब्द हुआ, जिसने कहा:

a) यह मेरा प्रिय पुत्र है, जिससे मैं अत्यन्त प्रसन्न हूं
b) तू सदा के लिए याजक है
c) तू मेरा प्रिय पुत्र है, जिससे मैं अत्यन्त प्रसन्न हूं

3. भजन संहिता 132:11 — यहोवा ने दाऊद से सच्ची शपथ खाई है, वह उससे न मुकरेगा:

a) मैं उसके राज्य के सिंहासन को सर्वदा के लिये स्थिर रखूंगा
b) तू मलिकिसिदक की रीति पर सदा के लिए याजक है
c) तेरे शरीर के फल को मैं तेरे सिंहासन पर बैठाऊंगा

4. गलातियों 3:16 — उस ने यह नहीं कहा, कि और बीजों के विषय में, जो बहुत हैं, परन्तु एक के विषय में, कि और तेरे बीज के विषय में:

a) इसहाक ही में तेरा वंश कहलाएगा
b) जो मसीह है
c) तेरे वंश में पृथ्वी की सारी जातियां आशीष पाएंगी

5. जकर्याह 6:13 — और वह अपने सिंहासन पर बैठकर राज्य करेगा, और वह होगा:
a) अपने सिंहासन पर एक याजक
b) वह महिमा धारण करेगा
c) आकाशों से भी ऊंचा

6. इब्रानियों 7:22 — इतना अधिक जिससे यीशु ठहराया गया:
a) सदा के लिए एक महायाजक
b) पवित्रस्थान का सेवक
c) एक उत्तम वाचा का जामिन

7. प्रकाशितवाक्य 22:16 — मैं दाऊद का मूल और वंश हूं:
a) पहला और अंतिम
b) और भोर का चमकता हुआ तारा
c) परमेश्वर की सृष्टि का आदि

उत्तर कुंजी: 1-b, 2-a, 3-c, 4-b, 5-a, 6-c, 7-b

यह अध्ययन कैसे शाखाओं में विभाजित होता है

→ छाया कैसे प्रकाश लाती है: मलिकिसिदक अब्राम से रोटी और दाखमधु लेकर मिला (उत्पत्ति 14:18)। यीशु ने मेज़ पर रोटी और कटोरा लिया (मत्ती 26:26-28)। कोई पद इन दोनों भोजों को नहीं जोड़ता। ये दोनों दृश्य पाठक के तौलने के लिए साथ-साथ खड़े हैं।

→ नई वाचा इसे कैसे स्पष्ट करती है: याजकपद के बदलने से यह आवश्यक हो गया कि व्यवस्था भी बदल जाए (इब्रानियों 7:12)। याजक बदल गया। याजक के साथ वाचा भी बदल गई, और यीशु उत्तम वसीयतनामे के जामिन हैं (इब्रानियों 7:22)।

→ शब्द कैसे मायने रखते हैं: यिर्मयाह 23:5 में धर्मी शाखा और जकर्याह 6:12 में शाखा एक ही हिब्रू शब्द है, त्सेमाख (H6780)। एक भविष्यद्वक्ता शाखा को दाऊद का सिंहासन देता है। दूसरा भविष्यद्वक्ता उस सिंहासन पर शाखा को याजक बनाता है।

→ यह आप पर कैसे लागू होता है: वंश की प्रतिज्ञा अतीत में बंद नहीं है। यदि आप मसीह के हो, तो आप इब्राहीम के वंश हो, और प्रतिज्ञा के अनुसार वारिस हो (गलातियों 3:29)।

→ इसका अनंतकाल के लिए क्या अर्थ है: परमेश्वर की शपथ का कोई अंत नहीं है। सदा के लिए एक याजक (भजन संहिता 110:4)। सदा के लिए एक सिंहासन (2 शमूएल 7:13)। याजकपद अनंत जीवन की सामर्थ्य में स्थिर है (इब्रानियों 7:16)।

→ विचार-पथ: यूहन्ना 14:16-17 और यूहन्ना 14:26 सहायक, अर्थात् पवित्र आत्मा के पूरे सिद्धांत की ओर खोलते हैं। सहायक एक विश्वासी के भीतर क्या करता है, यह अपने आप में एक पूरा अध्ययन योग्य है।

→ बगल का रास्ता: उत्पत्ति 49:10 यहूदा के गोत्र की पूरी लड़ी की ओर खुलता है। यह लड़ी उस राजदंड से चलती है जो यहूदा के पास रहता है, स्वर्ग के सिंहासन कक्ष तक, जहाँ प्रकाशितवाक्य 5:5 यीशु को यहूदा के गोत्र का सिंह, दाऊद की जड़ कहता है।

→ संभावित प्रकाशन: यिर्मयाह 23:6 दाऊद के परिवार से आने वाले राजा को यह नाम देता है, यहोवा हमारी धार्मिकता। पहले अध्ययन ने उस नाम का अनुसरण किया जो याकूब से रोक लिया गया था और मानोह से रोक लिया गया था। यहाँ दाऊद के वंश में जन्मा एक पुरुष खुलेआम परमेश्वर के वाचा के नाम को धारण करता है। कोई एक पद इन दृश्यों को नहीं जोड़ता। इन दृश्यों को साथ-साथ रखें और उन पर विचार करें।

उद्धार पाने के लिए आपको क्या करना चाहिए?

> *हमारे बाइबल अध्ययन को देखिए — "मुझे उद्धार पाने के लिए क्या करना चाहिए"*

SOURCES & CREDITS

Scripture: Hindi Indian Revised Version Bible (CC BY-SA 4.0) — a redistributable edition, looked up exactly and never machine-translated.
Alternate chapter/verse numbering reconciled with STEPBible TVTMS (CC BY 4.0).
Strong's numbering & original-language data: OpenScriptures Hebrew Bible (CC BY 4.0); STEPBible.org — TAHOT/TAGNT/TBESH/TBESG (CC BY 4.0); Robinson-Pierpont Byzantine Majority Text (Public Domain); Strong's dictionary, 1890 (Public Domain).
Typography: Google Noto fonts (SIL Open Font License 1.1).
© SEE MORE JESUS · wanttoseemore.com — shared under Creative Commons Attribution 4.0 (CC BY 4.0).